मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–001

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम

(सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं।*

(ii) दोनों ही खण्ड में से प्रश्नों के उत्तर देना अपेक्षित है।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

$4 \times 20 = 80$

(क) प्राचीन भारतीय गणित का सामान्य परिचय लिखिए।

(ख) प्राचीन भारत में रेखागणित एवं बीजगणित के विकास पर लेख लिखिए।

(ग) बौद्धकालीन **अथवा** जैनकालीन गणित पर लेख लिखिए।

(घ) संख्यास्थानानि और संख्यासारिणि प्रणाली के विदेशों में प्रसार पर व्याख्या कीजिए।

(ङ) गणित के तकनीकी शब्दों की व्याख्या कीजिए।

(च) उत्तर-वैदिककालीन भारतीय गणित पर प्रकाश डालिए।

(ङ) वर्गमूल की भागविधि और घनमूल की भागविधि का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(क) वैदिक गणित की विशेषताएँ

(ख) याजुष् ज्योतिष् में गणित का महत्व

(ग) कलन और अनन्त

(घ) अंकों का स्थानीय मान

(ङ) संकलितव्यवकलितयोः करणसूत्रम्

× × × × ×